

05/6/25

पतावली पेन हूँ। आद्ये प्राणो मम प्राणो अनुपादयते।
आद्ये विपत्तौ इमं। आद्ये प्राणो मम प्राणो नो रक्षे रक्षे
वद नीर वाट आवाले प्रिलबाली गर्क। एनमय लोप SPm
हे युगो है। जता प्राणो मम आधिबन्ता प्राणो के अनुपादयते
एहने पद प्राणो का प्रयोग-पत्र अफम हालरी। अफम पेंरवी
से खारिग किना पाता है। पतावली मंसल अकार लोकर नखर
से कर लो। निरुक्ति सुवाला गला।

